History

⇒ चौरी - चौरा कांड - 4 Feb. 1922

- गोरखपुर (U.P) में चौरी - चौरा नामक स्थान पर
- इस जगह पर एक उग्र भीड़ ने पुलिस चौकी में आग लगा दी जिसमें 22 पुलिसकर्मियों की जलकर मृत्यु हो गई।

⇒ पुलिस चौकी का थानेदार ⇒ गुप्तेश्वर सिंह

⇒ उग्र भीड़ का नेतृत्व (Leader) ⇒ भगवान अहीर

⇒ इस घटना के समय गांधी जी बारदोली (गुजरात) में थे।

⇒ इस घटना की जानकारी गांधी जी को तार (Letter) द्वारा गोरखपुर के निवासी दशरथ प्रसाद द्विवेदी ने दी थी।

⇒ इस घटना के कारण गांधी जी ने 12 Feb. 1922 को असहयोग आंदोलन वापस ले लिया।

⇒ इस घटना के कारण गांधी जी ने असहयोग आंदोलन को हिमालय जैसी बड़ी भूल बताया

⇒ इस कांड के अभियुक्तों का मुकदमा (Case) मदन मोहन मालवीय ने लड़ा।

⇒ आंदोलन समाप्त होने के कारण गांधी जी की स्थिति कमजोर हुई।

तथा ब्रिटिश सरकार ने 10 March 1922 को गांधी जी को गिरफ्तार किया।

⇒ सजा ⇒ 6 वर्ष ⇒ न्यायाधीश ब्रूमफील्ड ने असंतोष फैलाने के कारण सजा दी।

⇒ लेकिन स्वास्थय खराब होने के कारण 5 Feb. 1924 को जेल से रिहा कर दिया गया।

खिलाफत आंदोलन (1919 - 1924) → खलीफा (इस्लाम धर्म के संस्थापक → मो० साहब)

[1914 - 1918 → (प्रथम विश्व युद्ध)

तुर्की

की मृत्यु के पश्चात् इनके उत्तराधिकारी

खलीफा।

⇒ खिलाफत कमेटी बम्बे ⇒ 1919 में

⇒ अखिल भारतीय खिलाफत कमेटी ⇒ 23 Nov. 1920

इसी खिलाफत में गांधी और मौलाना अबुल कलाम आजाद अली बंधुओं से जुड़े।

⇒ समाप्त ⇒ 1924 में, मुस्तफा कमाल पाशा ने तुर्की में खलीफा पद को 1924 में समाप्त कर दिया और इसी के साथ खिलाफत आंदोलन समाप्त।

मोपला विद्रोह (किसान विद्रोह) ⇒ 1921 में

→ मालावार तट (केरल में)

नेतृत्व → अली मुसलियार

⇒ वारियान कुन्नथ

नरसंहार

अंग्रेजी

हिन्दुओं (50,000)

एनी बेसेंट

अंबेडकर

→ खिलाफत आंदोलन - (1919 - 24) ←

⇒ लखनऊ से शुरू हुआ। Started from Lucknow.

⇒ मौहम्मद अली और शौकत अली ने चलाया था। (अली बंधु)
was run by Mohammad Ali and Shaukat Ali.

⇒ नवम्बर 1920 में गांधी जी जुड़ गये जिसका विरोध जिन्ना ने किया।
Gandhiji joined in November 1920, which was opposed by Jinnah.

∴ **स्वराज पार्टी** :- स्थापना 1923 ई० को प्रयागराज में
Swaraj Party: Established in 1923 in prayagraj

संस्थापक :- सी० आर० दास (अध्यक्ष) / Founder :- CR. R. Das (Chairman)

→ Pt. मोतीलाल नेहरू (महासचिव)
Pt. Motilal Nehru (General Secretary)

1923 केंद्रीय विधानसभा के निर्वाचन

असहयोग आंदोलन → **नकारात्मक कार्यक्रम**
↳ किसी भी प्रकार के निर्वाचनों में भाग नहीं लेंगे।

समर्थक विट्ठलभाई पटेल, हकीम अजमल खां, श्री निवास आयंग, प० मदन मोहन मालवीय, एम० आर० जयकर.
Supporters: Vitthalbhai Patel, Hakim Ajmal Khan, Srinivas Ayang Pt. Madan Mohan Malviya, M.R. Jayakar.

उद्देश्य :- ① भारत को स्वराज दिलाना। Objective :- To get Swaraj for India.
↓
स्वराज पार्टी
↳ Indepency (स्वतंत्रता)

② परिषद में प्रवेश कर असहयोग के कार्यक्रमों को अपनाना और असहयोग आन्दोलन को सफल बनाना
To Join the Council and adopt the programs of non-Cooperation and make the non-Cooperation movement by C.R. Das

केन्द्रीय विधान सभा
Central legislative Assembly का प्रथम भारतीय स्पीकर विठ्ठलभाई पटेल.
Vithalbhai Patel was the first Indian Speaker of the Central Legislative Assembly ↳ Imp.

↳ Imp.

Nov. 1924 में गांधी जी, C.R. दास व मोतीलाल नेहरू के मध्य एक महत्वपूर्ण समझौता हुआ जिसे गांधी-दास पैक्ट के नाम से जाना जाता है।
Nov. 1924, an important agreement was signed between Gandhi C.R. Das and Motilal Nehru, known as the Gandhi – Das Pact.